यज्ञ से पुण्य

यज्ञ पुण्यों की कृषि है आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों ही जीवन अर्थात् जाति, आयु, और भोग तीनों ही हमारे द्वारा कृत कर्मों के पुण्य-अपुण्य कर्माशयों के आधार पर प्राप्त होता है व पुण्य को प्राप्त करने का सबसे बड़ा उपाय है, तो वह है **यज्ञ**